ISSN - 2321 : 2160

International Peer-Reviewed Referred Journal

(Formerly in the list of UGC Approved Journals No. 47772)

AYUDH

Volume I

Special Issue on

भाषाशिक्षण और रोजगार के अवसर

Impact Factor : 3.1

February 2020

GUEST EDITOR

DR. JALINDAR INGLE
HEAD
DEPARTMENT OF HINDI

DR. DINESH SHIRUDE
PRINCIPAL

MSG COLLEGE
MALEGAON CAMP
DIST. NASHIK, MAHARASHTRA

संपादकीय

1. हिंदी पत्रकारिता का योगदान — 1
प्रा.डॉ.जलिंदर इंगले

2. भाषा, वैश्वीकरण, अनुवाद : एक रोजगार क्षेत्र — 3
डॉ.मा.ना.गायकवाड

3. भाषा अध्ययन और सिनेमा — 6
डॉ. अनंत केदारे

4. भाषा शिक्षण और दुरदर्शन — 10
डॉ. शरद भा. कोलते

5. भाषा शिक्षा और सिनेमा — 12
प्रा. रविंद्र पुंजाराम ठाकरे

6. हिंदी भाषा (शिक्षण) एवं रोजगार के अवसर — 14
डॉ. मोहन चव्हाण

7. भाषा शिक्षण और जनसंचार माध्यम — 16
डॉ.पंडित बन्न

8. हिंदी भाषा के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मिडिया में रोजगार के सुअवसर — 18
प्रा. डॉ. व्ही. जी. राठोड

9. भाषा शिक्षण और रोजगार के अवसर — 20
डॉ. योगिता दत्तात्रय घुमरे (उशिर)

10. हिंदी भाषा और रोजगार की संभावनाएं — 22
डॉ. वाल्मीक डी. सूर्यवंशी

11. भाषा शिक्षण और अनुवाद : रोजगार के विविध अवसर — 25
डॉ. बबन चौरे

12. हिंदी भाषा शिक्षण और रोजगार कि विविध संभावनाएँ — 27
प्रा.डॉ. वनिता ज्यंबक पवार – निकम

13. हिंदी मीडिया : रोजगार प्राप्ति के अवसर — 30
प्रा.डॉ.योगेश विट्ठल दाणे

14. जनसंचार माध्यम और रोजगार — 34
मेनका त्रिपाठी

15. हिंदी काव्यानुवाद में निर्मित अनुवाद की समस्याएँ व समाधान — 37
(विशेष संदर्भ : बाबाराव मडावी का 'पाखरं' मराठी काव्य संग्रह)
गिरहे दिलीप लक्ष्मण

16. हिन्दी भाषा और रोजगार के विविध आयाम — 40
डॉ. लोकेश्वर प्रसाद सिन्हा

17. भाषा शिक्षण और रोजगार की विविध संभावनाएं — 43
प्रा.डॉ. सय्यद अमर फकिर

18. भाषा शिक्षण के उपकरण — 45
डॉ. जालिंदर इंगल

19. समकालीन कविता में युग-चेतना की अभिव्यक्ति — 47
डॉ.रॉय जोसफ

20. भाषा शिक्षण और पत्रकारिता — 51
प्रा. श्रीमती वडगे वृषाली रंगनाथ

21. भाषा शिक्षण और अनुवाद — 53
श्री शिरसाठ सुदाम गेना

22. भाषा शिक्षण और अध्यापन के सामान्य सिद्धांत

ISSN : 2321-2160 Impact F. 3.1

भाषा शिक्षण और रोजगार के अवसर

डॉ. योगिता दत्तात्रय घुमरे (उशिर)
श्रीमती पुणाताई हिरे कला, विज्ञान व वाणिज्य,
महिला महाविद्यालय, मालेगांव कैम्प,
मालेगांव, जि. नाशिक (हिन्दी विभाग)
ई–मेल : ghumareyogita@yahoo.in

प्रस्तावना – भाषा मनुष्य के भावों और क्रिया – कलापो से अपना संबंध रखती है। किसी भी विषय को समझने पहले उस भाषा का समग्र ज्ञान होना आवश्यक है। भाषा ज्ञान का कोई भी विषय वैज्ञानिक पध्दति के बिना व्यवस्थित नहीं हो सकता इसलिए भाषा शिक्षण महत्त्वपूर्ण है। मानसिक तथा शारिरिक दृष्टी से नवजात शिशू के छह महिने पश्चात अपनी मातृभाषा का शनैःशनैः विकास होने लगता है। घर, परिवार, बालमित्रों के संपर्क में आने के बाद भाषा का अर्जन शिशू करने लगता है। इस भाषा को मातृभाषा कहा जाता है।

संसार मे कई भाषाएँ बोली जाती है। संसार की प्रत्येक भाषा किसी न किसी कारणवश एक दुसरे के सम्पर्क में आती है। हिन्दी भी इस नियम का अपवाद नहीं है। हिन्दी विकासशील भाषा है।

"आज हिन्दी उत्तरोत्तर विकास के मार्ग पर अग्रेसर रही है। अभिव्यंजना की नूतन पध्दतियों का अनुकरण कर रही है।"[१] जनसंचार माध्यमों में हिंदी का भी महत्वपूर्ण स्थान रहा है। वैश्वीकरण के इस युग में जनसंचार के कारण हिन्दी भाषा खूब पल्लवित पुष्पित हो रही है, और यही कारण है की हिन्दी भाषा मे रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे है। "हिन्दी साहित्यिक रूप तो कार्य कर रही है परन्तु कार्यालयी हिन्दी, वाणिज्यिक हिन्दी, कानूनी हिन्दी, जनसंचार माध्यमों की हिन्दी, वैज्ञानिक हिन्दी, विज्ञापन क्षेत्रों की हिन्दी तथा बैंकिंग क्षेत्रों की हिन्दी आदि विविध क्षेत्रों में भी हिन्दी भाषा अपनी अलग पहचान बना रही है।"[२]

हिन्दी भाषा में रोजगार के अवसर

हिन्दी भाषा में रोजगार की अपार संभावनाएँ है। इस समय अनेक ऐसे क्षेत्र है, जहॉ हिन्दी का अध्ययन करनेवाला युवा अपना भविष्य सॅवार सकते है। हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। इस समय दुनियाभर में हिन्दी बोलने वालों की संख्या ५५ करोड से अधिक है। प्रिन्टमीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट, राष्ट्रीय, आंतरराष्ट्रीय मंच और संस्थाओं में हिन्दी के प्रयोग मे गुणात्मक वृध्दि हुई है। फेसबुक, ट्विटर, युटयुब तथा व्हाट्सअप जैसे अनुप्रयोग में तो अब हिंदी का ही दबदबा है। गुगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनीयों ने भी हिन्दी में बहुत बडे पैमाने पर काम करना शुरू कर दिया है।

पत्रकारिता क्षेत्र में रोजगार के अवसर: हिन्दी का अध्ययन करनेवाले छात्र पत्रकारिता जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र मे अपना भविष्य बना सकते है। आज अग्रेसर समाचार पत्र और समाचार चैनलों में हिन्दी भाषा को प्रधानता दी गई है। अनेक पत्रपत्रिकाएँ भी हिन्दी में निकलती है। इस क्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक है, भाषा पर मजबूत पकड और भाषा की शुध्दता । दो भाषाओं का अनुवाद करना भी अनिवार्य है। पत्रकारिता क्षेत्र में आने की इच्छा रखने वाले युवाओं को अपने आसपास घटित होने वाली घटनाओं के प्रति सजग और संवेदनशील होना जरूरी है।

राजभाषा अधिकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर : केंद्रीय संस्थानों और कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी की नियुक्ति की जाती है जो अपने यहॉ हर प्रकार से हिन्दी के प्रयोग को बढावा देते है और हिन्दी में कामकाज को सुगम बनाते है। यदि आप हिन्दी विषय मे परास्नातक है और स्नातक स्तर पर एक विषय के रूप में अंग्रेजी का भी अध्ययन किया है तो राजभाषा अधिकारी के रूप में रोजगार के कई व्दार खुले है। इस क्षेत्र में अच्छे वेतनमान साथ हिन्दी भाषा के क्षेत्र में कार्य करने का अच्छा अवसर मिलता है।

अनुवादक /दुभाषिया क्षेत्र में रोजगार के अवसर : अनुवाद का क्षेत्र बहुत बडा है। दुनिया भर मे जैसे जैसे हिन्दी का प्रयोग बढ रहा, वैसे वैसे अनुवादको और व्दिभाषाविदो की मॉग बढती जा रही है। अनेक देशी विदेशी मीडिया संस्थान, राजनैतिक संस्थाएँ, पर्यटन से जुडे संस्थान और बडे बडे होटलों में अनुवादको और दुभाषियों की अच्छी खॉसी मांग है। युवाओं को चाहिए की अपने अनुरूप अवसरों की तलाश कर इस क्षेत्र में अपना भविष्य सुरक्षित करे।

रेडियो जॉकी और समाचार वाचक के क्षेत्र में रोजगार के अवसर : रेडियो जॉकी एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आपकी आवाज देश दुनिया में सुनी जाती है। यह एक ऐंसा क्षेत्र है, जिसमें नाम और दाम दोनों कमा सकते है। इस क्षेत्र मं आने के लिए भाषा पर अच्छी पकड और आवाज में लयबध्दता हो तो इस क्षेत्र में एक अच्छा करियर है। इसी से मिलता जुलता काम समाचार वाचक का भी है। एक सधी हुई और प्रभावशाली आवाज में समाचार पढने होते है, इसके लिए भी भाषा पर प्रभुत्व चाहिए। इसप्रकार हिन्दी भाषा व्दारा इस क्षेत्र में करियर करने के लिए व्यापकता है।

सृजनात्मक लेखन क्षेत्र : हिन्दी भाषा में अगर कोई सृजनात्मक लेखन करता है, तो वह लेखन फिल्म, टी.वी. रेडियो, विज्ञापन या किसी संस्थान में काम आता है। स्वतंत्र लेखन करके भी यह कार्य किसी संस्थान को भेजकर अच्छी

कमाई हो सकती है। ब्लॉग लेखन भी इन्ही विकल्पों का एक शानदार उदाहरण है। 'अच्छी खबर', 'हैप्पी हिन्दी', 'साहित्य शिल्पी', 'हिन्दी सूत्रसंचालन', आदि ऐसे ही कुछ ब्लॉग है जिन्होंने हिन्दी ब्लॉगिंग को नया आयाम दिया है।

अध्यापन क्षेत्र में रोजगार के अवसर – हिन्दी रोजगार कें अध्यापन क्षेत्र एक पारंपारिक क्षेत्र है। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक अध्यापन कार्य में रोजगार उपलब्ध है, इसे सदाबहार करियर माना जाता है। हिन्दी राष्ट्रभाषा होने के कारण शैक्षणिक स्तर पर उसे पढाया जाता है।

हिन्दी विषय में स्नातकोत्तर पदवी के बाद NET/SET परीक्षाएँ देकर छात्र अगर पास होता है, तो उसे विभिन्न महाविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति का अवसर मिल सकता है। जिन्होने स्नातक पदवी के साथ बी.एड. किया तो वे विभिन्न स्कूलों में या कनिष्ठ महाविद्यालयों में अध्यापक के रूप में कार्य कर सकते हैं।

इसप्रकार हमारी राष्ट्रीय भाषा की अधिक लोकप्रियता को देखते हुए कहा जा सकता है की, हिन्दी में रोजगार के अवसर भरपूर है। संपूर्ण विश्व में हिन्दीका प्रचार,प्रसार एवं प्रभाव को देखते हुए, हिन्दी में रोजगार की अनेक संभावनाओं को खोल दिया है। हिन्दी भाषा में रूचि एवं योग्यता के अनुसार रोजगार के क्षेत्र को चुनकर भविष्य सँवारा जा सकता है।

संदर्भ –

१.डॉ.अम्बादास देशमुख – भाषिकी हिन्दी भाषा तथा भाषा शिक्षण, पृ. १३३
२. डॉ. कीर्तिकुमार जादव, डॉ. विनोदचंद्र चौधरी – जनसंचार माध्यम में हिन्दी की स्थिति और दिशा, पृ. २७
३. http://www.hindijan.com - 2018/04